मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2592

06.03.2020 को उत्तर के लिए

सोसाइटी ऑफ इंटीग्रेटेड कोस्टल मैनेजमेंट

2592. श्री शान्तनु ठाकुरः
श्री नारणभाई काछड़ियाः
श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः
श्रीमती गीताबेन वी॰ राठवाः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में एक प्रायोगिक परियोजना के रूप में कार्यान्वित की जा रही सोसाइटी ऑफ इंटीग्रेटेड कोस्टल मैनेजमेंट के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार तटीय प्रदूषण और अपशिष्ट को कम करने में सफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त परियोजना के अंतर्गत सम्मिलित भारतीय तटों की संख्या कितनी है; और

(घ) उक्त परियोजना से पर्यटन को कितना बढ़ावा मिलने की संभावना है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ग) : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत, एकीकृत तटीय प्रबंधन सोसायटी (एसआईसीओएम) की स्थापना राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधन इकाई के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य गुजरात में कच्छ की खाड़ी; ओडिशा में गोपालपुर-चिल्का और धामरा-पारादीप तथा पश्चिम बंगाल में दीघा-शंकरपुर एवं सागर द्वीप के अभिज्ञात तटीय क्षेत्रों में तटीय एवं सामुद्रिक पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करने तथा इन क्षेत्रों में संधारणीय विकास करने हेतु एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन परियोजना को कार्यान्वित करना है। प्रदूषण का उपशमन इस परियोजना के महत्वपूर्ण विषयगत क्षेत्रों में से एक है। इस उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में, इस परियोजना से गुजरात में जामनगर शहर तथा पश्चिम बंगाल में दीघा कस्बे के लिए मल-जल शोधन संयंत्रों की स्थापना करने के अलावा इन क्षेत्रों में मल-जल नेटवर्क प्रणाली में सुधार लाने में मदद मिली। वायु प्रदूषण से निपटने हेतु, पश्चिम बंगाल में सागर द्वीप के लिए पूर्ण ग्रिड विद्युतीकरण का कार्य किया गया, जो विद्युत की आपूर्ति के लिए पूरी तरह से अत्यधिक प्रदूषणकारी डीज़ल जनरेटर सेटों पर निर्भर था। सभी तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में पहचान किए गए 13 समुद्र तटों में समुद्र तट पर्यावरण और सौंदर्य प्रबंधन सेवा (बीम्स) कार्यक्रम प्रायोगिक तौर पर कार्यान्वित किया गया है। ऐसे समुद्र तटों पर उच्च मानकों के अनुरूप स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट का प्रभावी प्रबंधन बीम्स कार्यक्रम के प्रमुख कार्यकलापों में से एक है। स्वच्छ निर्मल तट अभियान के अंतर्गत, सभी तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में देश के 50 अन्य अभिज्ञात किए गए समुद्र तटों पर एक सप्ताह तक चलने वाला गहन समुद्र तट स्वच्छता अभियान भी संचालित किया गया था।

(घ) : एकीककृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (आईसीजैडएम) परियोजना के तहत कार्यान्वित बीम्स कार्यक्रम को एक ऐसे पारी-पर्यटन मॉडल के रूप में परिकल्पित किया गया है जो पर्यटकों/समुद्र तट पर जाने वाले लोगों को स्नान हेतु स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक जल, सुविधाएं/सुख-साधन, सुरक्षित एवं स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध कराने का प्रयास करे जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिले और उस क्षेत्र का संधारणीय विकास हो सके।

****